Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

# रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/2021-2023 Post AD No. 8

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

वर्ष-३३ अंक-२३ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो ०१ दिसम्बर- १५ दिसम्बर २०२३ पृष्ठ ०८ मूल्य:२० रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

## PRESIDENT OF INDIA FLAGS OFF THREE NEW TRAINS FROM BADAMPAHAR RAILWAY STATION.

- INAUGURATES NEW RAIRANGPUR POSTAL DIVISION
- RELEASES A COMMEMORATIVE SPECIAL COVER OF RAIRANGPUR POSTAL DIVISION
- LAYS FOUNDATION STONE FOR REDEVELOPMENT OF BADAMPAHAR RAILWAY STATION

PIB : The President of India, Smt Droupadi Murmu flagged off three new trains namely Badampahar-Tatanagar MEMU Badampahar - Rourkela Weekly Express; and Badampahar - Shalimar Weekly Express from Badampahar Railway Station on November 21, 2023. She also virtually inaugurated the new Rairangpur Postal Division; released a Commemorative Special Cover of Rairangpur Postal Division; and laid the foundation stone for redevelopment of Badampahar Railway station on the occasion.

Addressing the gathering, the she said that the development of any area depends on the connectivity of that area. Be it rail, roads or postal services all these services make people's lives easier. She said that three trains launched today will help locals in traveling to neighboring states like Jharkhand and West Bengal & added that people will also not face any inconvenience in visiting Odisha's industrial town Rourkela.

The President said that despite the increasing trend of cell phones and courier services, India Post has not lost its relevance. The inauguration of a new Postal Division at Rairangpur is an important event for the region. She expressed confidence that people of this area will now be able to avail postal services easily.

The President said that the Union Government is taking various initiatives for the development of tribal communities and noted that there is almost three times increase in the current budget compared to the budget for the Financial Year 2013-14.

She said that inclusive development is incomplete without the develop-ment of tribal people. That is why the government is giving priority to the development of tribal communities. She urged tribal youth to take advantage of the government's schemes & emphasised that one's effort is also necessary for self development. Therefore, youth should keep trying to move forward in their lives.

The President said that the government has launched PM JANMAN (PM- Janjati Adivasi Nyaya Maha Abhiyan) on the occasion of Janjatiya Gaurav Divas this year for the development of PVTGS & said that this is an important step towards the progress of tribal brothers and sisters.

She expressed confidence that this initiative will connect people with development in this Amrit kaal and will also help in achieving the goal of a developed India.

## रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने डीपफेक से उत्पन्न मुद्दों पर हितधारकों से विचार-विमर्श किया

सूत्र/पत्र सूचना कार्यालय- डीपफेक दुनिया भर में लोकतंत्र और सामाजिक संस्थानों के लिए एक गंभीर खतरा बनकर उभरा है। सोशल मीडिया प्लेटफार्मो के माध्यम से डीप-फेक सामग्री के प्रसार ने इस चुनौती को बढ़ा दिया है।

मंत्रालय ने समय - समय पर सोशल मीडिया मध्यस्थों को उचित निगरानी करने और डीपफेक के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई करने की सलाह दी है। इससे पहले रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने डीपफेक पर प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर शिक्षा जगत, उद्योग निकायों और सोशल मीडिया कंपनियों के प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श किया। चर्चा के दौरान इस बात पर सहमति बनी कि सरकार, शिक्षा जगत, सोशल मीडिया कंपनियां और नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (एनएएस एससीओएम) संयुक्त रूप से डीपफेक का जवाब देने की दिशा में काम करेंगे। इस बात पर भी सहमति हुई कि अगले १० दिनों के भीतर निम्नलिखित चार स्तंभों पर कार्रवाई योग्य वस्तुओं की पहचान की जाएगी पता लगाना ऐसी सामग्री पोस्ट करने से पहले और बाद में डीपफेक सामग्री का पता लगाया जाना चाहिए। रोकथाम डीपफेक सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए एक प्रभावी तंत्र होना चाहिए। रिपोर्टिंग प्रभावी और शीघ्र रिपोर्टिंग और शिकायत निवारण तंत्र उपलब्ध होना चाहिए। जागरूकता डीपफेक के मुद्दे पर व्यापक जागरूकता पैदा की जानी चाहिए। इसके अलावा तत्काल प्रभाव से, एमईआई टीवाई डीपफेक के खतरे को रोकने के लिए आवश्यक नियमों का आकलन और मसौदा तैयार करने के लिए एक अभ्यास शुरू करेगा। इस उद्देश्य के लिए एमईआईटीवाई माईजीओवी पोर्टल पर जनता से टिप्पणियां आमंत्रित करेगा। स्तंभों वाली संरचना को अंतिम रूप देने के लिए दिसंबर २०२३ के पहले सप्ताह में संबंधित हितधारकों के साथ एक अनुवर्ती बैठक फिर से आयोजित की जाएगी। भारत सरकार प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर और जन जागरूकता को बढ़ावा देकरडीपफेक के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है।

## Valedictory function of Official Language Festival-2023

Source/NR- The closing ceremony of Official Language Festival-2023 was held at Southern Railway Headquarters on 27.11.2023. Shri R.N. Singh, General Manager, Southern Railway presided over the function. Shri. Kaushal Kishore, Additional General Manager was present as a special guest along with Shri Sahadeo Singh Purti, Deputy General Manager, Official Language, Southern Railway.The General Manager released the book 'Bhasayem Anek - Bhav Ek', a book on supporting literary languages, derived from the comparative analysis of the works of the famous Tamil poet Subramanya Bharati and the famous Hindi Poet Suryakant Tripathi Nirala. The General Manager also presented THE Inter-departmental rolling shields for outstanding work in Official Language implementation to Shri Eshwar Rao, Principal Chief Security Commissioner, Shri N. Sreekumar, Principal Chief Operating Manager and Dr. M. Raveendran, Principal Chief Medical Director, Southern Railway. Further, the Officers who participated in various competitions were presented with Certificates of merit.

# रेल मंत्रालय द्वारा मऊ से मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) नई ट्रेन सेवा का अनुमोदन प्रदान किया गया

सूत्र/पत्र सूचना कार्यालयः रेल मंत्रालय द्वारा मऊ से मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) नई ट्रेन सेवा का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मऊ-लोकमान्य तिलक टर्मिनस- मऊ के मध्य साप्ताहिक नई गाड़ी का शुभारम्भ २२ नवम्बर, २०२३ को मऊ-प्रयागराज जं. उद्घाटन ट्रेन सेवा को माननीय रेल, संचार, सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार श्री अश्विनी वैष्णव जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रेल मंत्री जी ने मऊ क्षेत्र के निवासियों को मऊ-मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) उद्घाटन ट्रेन सेवा के शुभारम्भ की बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी रेलवे को देश के विकास की एक बड़ी कड़ी मानते है। रेलवे को ट्रान्सफार्म किया जा रहा है और उत्तर प्रदेश में रेलवे का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण किया जा चुका है। रेलवे के इन्फ्रास्ट्रक्टचर को मजबूत किया जा रहा है। इसके लिये रेलवे में निवेश पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसके फलस्वरूप नई सुविधायें उपलब्ध कराने के साथ रोजगार के अवसर बढ़ाये जा रहे है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश हर दृष्टि से महत्वपूर्ण एक विशाल राज्य है, जिसको देखते हुए वर्ष २०२३-२४ में उत्तर प्रदेश में रेलवे के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार एवं विकास हेतु बजट में १७५०७ करोड़ का आवंटन किया गया जो वर्ष २००६-१४ के औसत बजट आवंटन रू. ११०६ करोड़ से लगभग १६ गुना अधिक है। इस समय उत्तर प्रदेश में ६८ हजार करोड़ की रेल परियोजनायें चल रही है। उत्तर प्रदेश में आगामी ५० वर्षो की आवागमन संबंधी आवश्यकताओं को देखते हुए १५६ स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य किया जा रहा है, जिसमें मऊ जं. स्टेशन भी सम्मिलित है। इन स्टेशनों को वर्ल्ड क्लास बनाया जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ५०८ स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास किया था। मऊ जं. स्टेशन के पुनिर्विकास की डिजाइन तैयार की जा चुकी है। आप यदि इस डिजाइन में सुधार हेतु सुझाव देना चाहते है तो आपका स्वागत है। श्री वैष्णव ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने ''एक स्टेशन एक उत्पाद'' योजना जारी की है, जिसके माध्यम से स्टेशनों पर स्टॉल उपलब्ध कराकर बुनकरों, शिल्पकारों आदि को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ ही उनके उत्पाद को विश्वस्तर पर पहचान दिलायी जा रही है।

मऊ में आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए माननीय मंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत, उत्तर प्रदेश सरकार श्री अरविन्द कुमार शर्मा ने मऊ-मुम्बई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) नई ट्रेन के संचलन के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे पत्र पर इस ट्रेन के संचलन को मंजूरी दी गयी है। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का मत है कि रेलवे भारत की अर्थ व्यवस्था का वाहक है और इस समय रेलवे को एक नई ऊँचाई दी जा रही है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण यह नई ट्रेन है। इस समय रेलवे में संरक्षा का रिकार्ड काफी अच्छा है। आज रेल मंत्रालय द्वारा पूर्वान्चल के लोगों के लिये नई ट्रेन का जो उपहार दिया गया, उससे लोगों की एक बड़ी मांग पूरी हुई है। पहले यहां के लोगों को मुम्बई जाने में काफी समस्यायें आती थी और अब सीधी ट्रेन की सुविधा उपलब्ध हो गयी है। मऊ का वस्त्र उद्योग देश में काफी विख्यात है। यहां की बनी साड़ियों का ५० प्रतिशत उत्पाद मुम्बई में जाता है। यह ट्रेन बुनकरों एवं किसानों की दृष्टि से भी काफी उपयोगी है। वस्त्र के साथ ही कृषि उत्पादों को यहां से मुम्बई भेजने में यह ट्रेन काफी लाभकारी होगी।

महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर ने रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, मंत्री उत्तर प्रदेश श्री अरविन्द कुमार शर्मा, श्रम एवं सेवा योजना मंत्री, उत्तर प्रदेश श्री अनिल राजभर सहित सभी अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर श्रम एवं सेवा योजना मंत्री, उत्तर प्रदेश श्री अनिल राजभर, सदस्य विधान परिषद श्री यशवन्त सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित थी। मंडल रेल प्रबन्धक, वाराणसी श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव ने रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, मंत्री उत्तर प्रदेश श्री अरविन्द कुमार शर्मा सहित सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

# केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने ५४वें इफ्फी के अंतर्गत वीएफएक्स और टेक पवेलियन का उद्घाटन किया

## ''वीएफएक्स और टेक पवेलियन भारत में पोस्ट प्रोडक्शन उद्योग को और अधिक बढ़ावा देंगे''

सूत्र/पत्र सूचना कार्यालयः केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने गोवा में ५४वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के अंतर्गत वीएफएक्स और टेक पवेलियन का उद्घाटन किया। इफ्फी में एनएफडीसी द्वारा फिल्म बाजार के इतिहास में पहली बार स्थापित, वीएफएक्स और टेक पवेलियन एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, वर्चुअल रियलिटी और सीजीआई के क्षेत्र में फिल्म निर्माण तकनीक में कुछ सबसे गतिशील, गहन और अत्याधुनिक प्रगति का प्रदर्शन करेगा। श्री ठाकुर ने सिने संग्रहालय, अमेजॉन प्राइम और नेटफ्लिक्स के व्यूइंग जोन आदि सहित पवेलियन के विभिन्न खंडों का उद्घाटन और निरीक्षण किया।

श्री ठाकुर ने सोनी के फुल फ्रेम सिनेमा लाइन कैमरों के उपयोग को देखा-समझा और ७५ क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो पहल के तहत चुने गए युवा फिल्म निर्माताओं के साथ बातचीत की। उन्होंने टेक पवेलियन के बुक टू बॉक्स खंड के तहत चयनित लेखकों के साथ भी बातचीत की। श्री ठाकुर ने कहा कि १०वीं से ५वीं सबसे बड़ी मीडिया और मनोरंजन अर्थ व्यवस्था बनने तक की भारत की प्रगति अभूतपूर्व रही है। उन्होंने कहा, देश में निर्मित फिल्म और मीडिया सामग्री की प्रतिभा और मात्र को देखते हुए, भारत जल्द ही दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मीडिया और मनोरंजन उद्योग बन जाएगा।

उन्होंने कहा कि नव स्थापित वीएफएक्स और टेक पवेलियन फिल्म निर्माण के क्षेत्र में पोस्ट-प्रोडक्शन को और अधिक बढ़ावा देंगे। रचनात्मक और एआई क्षेत्रें के विशेषज्ञ आभासी दुनिया तैयार करके, बुद्धिमान पात्रों का सृजन करके और दृश्यों की हद से पार जाने के लिए व्यक्तिगत अनुभव साझा करके फिल्म निर्माण में संभावनाओं और प्रगति की संभावनाओं का द्वार खोलेंगे। इस वर्ष के भाग लेने वाले कुछ सम्मानित ब्रांडों में गूगल आर्ट्स एंड कल्चर, नेटफ्लिक्स, और अमेज न शामिल हैं।

# Shri Dinesh Chand Deshwal took over charge as Commissioner of Railway Safety, Northern Circle, New Delhi

Source/NR- Shri. Dinesh Chand Deshwal has taken the charge of Commissioner of Railway Safety, Northern Circle, New Delhi on 21.11.23. He will look after the Railway Safety of the Northern Railway, coming under the Northern Circle.He belongs to the 1990 batch of the Indian Railway Service of Engineers (IRSE). Shri Dinesh started his career in Western Railway and held various important positions in Open line, Construction, and Projects on various zonal railways. He has also held key assignments on deputation as Managing Director, HRIDC (JV Company of MOR and Govt. of Haryana). Prior to his appointment as Commissioner of Railway Safety, he was working as Chief Bridge Engineer, at North Western Railway. Having 31+ years of experience in the Construction, and O&M of Railway Infrastructure, he has served in Important Divisions viz. Vadodara, Ratlam, Ajmer, and Bikaner.

Throughout his career, he has held a variety of positions as CE/MRTS/Northern Railway, Sr. Faculty NAIR, MD/HRIDC, and CBE/NW Railway, among many other responsibilities. His key achievements are the successful planning, financial structuring, and sanctioning of the 'Haryana Orbital Rail Corridor' Project a multipurpose 144 km long double line electrified rail corridor around Delhi, and successfully building HRIDC from Its inspection into a vibrant entity having a strong multidisciplinary tearn from project planning, implementation, operation, and operation & management as its founding Managing Director and vast exposure to PPP projects private sidings, private freight terminals, CONCOR terminals, metro rail projects of DMRC, LMRC, NCRTC among many other accomplishments.

# माघ मेला २०२३-२४ एवं कुम्भ २०२५ की तैयारियों के दृष्टिगत रेल प्रशासन एवं सिविल प्रशासन की मध्य समन्वय बैठक का आयोजन

साभारः दिनांक २३ नवम्बर २०२३ को मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल श्री हिमांशु बडोनी की अध्यक्षता एवं मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पन्त एवं जिलाधिकारी श्री नवनीत सिंह चहल की उपस्थिती में प्रयागराज मंडल के संकल्प सभागार में कुम्भ २०२५ एवं माघ मेला २०२३-२४ की तैयारी पर समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री संजय सिंह द्वारा सभी उपस्थित सिविल प्रशासन एवं मेला प्राधिकरण, के लोंगो स्वागत किया गया। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर गहनता से चर्चा की गयी ,जिसमें कुम्भ २०२५ के दृष्टिगत चल रहे विकास कार्यो पर मंथन किया गया जिसमें प्रयागराज जंक्शन पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए प्लेटफार्म एक की तरफ यथासंभव एक और वेटिंग एरिया और होल्डिंग एरिया को निर्मित करना, महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अतिरिक्त शौचालय व पीने योग्य साफ पानी की व्यवस्था करना, प्रयागराज जंक्शन स्टेशन के बाहर सड़क पर अतिरिक्त प्रकाश की व्यवस्था एवं पावर बैकअप की व्यवस्था करना , प्रयागराज छिवकी स्टेशन के दोनों एप्रोच रोड को अतिक्रमण मुक्त किया जाना, दोनों एप्रोच रोड पर रात्रि के समय प्रकाश की व्यवस्था दुरुस्त किया जाना चाहिए एवं मिर्जापुर रोड पर छिवकी स्टेशन का बड़ा साइनेज बोर्ड लगाया जाने , इसके साथ ही गैप एनालिसिस में नैनी जंक्शन पर नैनी रेलवे स्टेशन के सामने के मार्गो का चौड़ीकरण एवं अतिक्रमण मुक्त किये जाने, नैनी जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या ०१ पर स्थित यात्री आश्रय संख्या चार एवं पांच में पानी एवं शौचालय की उचित व्यवस्था की जाए आदि विषय पर के विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में कुम्भ २०२५ हेतु बनने वाले ROB और RUB पर विशेष रूप से चर्चा हुई जिसमें जसरा यार्ड के निकट ROB,सुबेदारगंज स्टेशन पर बन रहे ROB, सलोरी ROB, बेगम बाजार ROB पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने कहा की जो भी कार्य लंबित हैं उनपर संयुक्त बैठकें कर के हम जल्द से जल्द उनका निराकरण कर सकते है। आगे अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि इस बार सूबेदारगंज स्टेशन से भी ट्रेनों का संचालन करने का प्लान है, इसके साथ ही मंडल रेल प्रबंधक ने सभी को एक टीम भावना के साथ कार्य करने के लिए कहा उन्होंने कहा कि निर्धारित टीम मेंबर द्वारा शीघ्र ही विभिन्न बिंदुओं जैसे कि मेले की अवाश्यकताओं/ मूवमेंट प्लान के अनुसार स्टेशनों की अप्रोच रोड में सुधार की आवश्यकता, एप्रोच रोड की मरम्मत, अनाधिकृत कब्जों को हटाना, जंक्शन प्वाइंटों पर अवरोध, रेलवे स्टेशनों की क्षमता, स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं की पर्याप्तता, स्टेशनों पर, जंक्शन प्वाइंटो पर सिविल एरिया में एवं स्टेशन परिसर में सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता, पानी, टॉयलेट आदि की वर्तमान में उपलब्धता और कुम्भ मेले के दृष्टिगत अतिरिक्त आवश्यकता, फायर फाइटिंग, आपदा प्रबंधन उपाय इत्यादि की आवश्यकताओं का आकलन कर विस्तृत रिपोर्ट दिया जाना सुनिश्चित किया जाए जिससे इन कमियों को समय रहते दूर किया जा सके।

बैठक का संचालन अपर मंडल रेल प्रबंधक सामान्य श्री संजय सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर उत्तर मध्य रेलवे , उत्तर रेलवे एवं पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों की टीम उपस्थित रही है। अपर मंडल रेल प्रबंधक महोदय द्वारा एक पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से रेल प्रशासन एवं जिला प्रशासन द्वारा गठित संयुक्त टीम को कुंभ मेला की तैयारियों में गैप एनालिसिस के दौरान किन किन बिंदुओं पर विशेष ध्यान देना है इस बारे में विस्तार से बताया गया।

उन्होंने कहा कि निर्धारित टीम मेंबर द्वारा शीघ्र ही विभिन्न बिंदुओं जैसे कि मेले की अवाश्यकताओं/ मूवमेंट प्लान के अनुसार स्टेशनों की अप्रोच रोड में सुधार की आवश्यकता, एप्रोच रोड की मरम्मत, अनाधिकृत कब्जों को हटाना, जंक्शन प्वाइंटों पर अवरोध, रेलवे स्टेशनों की क्षमता, स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं की पर्याप्तता, स्टेशनों पर, जंक्शन प्वाइंटो पर, सिविल एरिया में एवं स्टेशन परिसर में सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता, पानी, टॉयलेट आदि की वर्तमान में उपलब्धता और कुम्भ मेले के दृष्टिगत अतिरिक्त आवश्यकता, फायर फाइटिंग, आपदा प्रबंधन उपाय इत्यादि की आवश्यकता का आकलन कर विस्तृत रिपोर्ट दिया जाना सुनिश्चित किया जाए जिससे इन कमियों को समय रहते दूर किया जा सके। प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्होंने नई तकनीक जैसे आर्टिफिशियल इंटीलेजेंस, मोबाइल ऐप एवं ड्रोन कैमरा का उपयोग भीड़ का अनुमान लगाने एवं भीड़ नियंत्रण हेतु करने का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने संयुक्त निरीक्षण के दौरान संबंधित पुलिस अधिकारियों के भी उपस्थित रहने का सुझाव दिया।

इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सिविल तथा पुलिस प्रशासन के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में कुम्भ मेला अधिकारी श्री विजय किरण आनंद वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

# महानिदेशक (संरक्षा) रेलवे बोर्ड ने किया ड़ीएफसीसीआईएल के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर प्रयागराज का निरीक्षण

साभारः महानिदेशक संरक्षा (डी. जी सेफ्टी) श्री बी. एम. अग्रवाल ने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर प्रयागराज का निरीक्षण किया। साथ ही ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रंट कॉरिडोर में आये कॉरपोरेट के अधिकारियों जैसे एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ई डी ऍफ सी) घनश्याम दास भगवानी, समूह महाप्रबंधक (यातायात और संरक्षा), महाप्रबंधक (यांत्रिक), महाप्रबंधक (विद्युतीय), महाप्रबंधक (एसएंडटी), के साथ सीजीएमध्प्रयागराज (पूर्व), जीएम/ समन्वयन/प्रयागराज (पश्चिम), सीजीएम/ एसएंडटी/प्रयागराज (पूर्व), सीजीएमध् एसएंडटी/ प्रयागराज (पश्चिम), अपर महाप्रबंधक/परिचालन और व्यवसाय विकास/प्रयागराज, मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज, मुख्य विद्युत लोकोमोटिव इंजीनियर और जोनल और मंडल के अधिकारियों के साथ सुरक्षित ट्रेन परिचालन के संबंध में बैठक की।

दिनांक २४ नवंबर २०२३ को महानिदेशक (संरक्षा) रेलवे बोर्ड के आगमन पर स्वागत के पश्चात अ परेशन कंट्रोल सेंटर की कार्य प्रणाली को दिखाया गया। जिसमें सुपरवाइजरी कंट्रोल और डाटा एक्विजिशन सिस्टम (SCADA), डेडिकेटेड फ्रेट इनफॉरमेशन सिस्टम(DFIS), ब्लॉक मैनेजमेंट सिस्टम(BMS), हॉट एक्सेल बॉक्स डिटेक्टर (HABD), मशीन विजन इनफॉरमेशन सिस्टम(MVIS), जैसे नई तकनीक का उपयोग और निवारक रोकथाम के कार्यकलापों की चर्चा की गई । बैठक के दौरान महानिदेशक (संरक्षा) के कर कमल से कोहरे के दौरान सुरक्षित ट्रेन परिचालन हेतु कार्य प्रणाली के पम्फलेट का विमोचन किया गया।

साथ ही आने वाले कोहरे के दौरान संरक्षित ट्रेन परिचालन की तैयारी का जायजा लिया गया। इस दौरान वर्तमान में डीएफसी के ट्रेन परिचालन में आ रही चुनौतियों जैसे भारतीय रेल के साथ जगह-जगह में सिंगल लाइन कनेक्शन और सरफेस क्रॉसिंग से निजात पाने हेतु नए रोड ओवर ब्रिज कनेक्शन और फीडर रूट के संभावनाओं के बारे में चर्चा की।

मशीन विजन इनफॉरमेशन सिस्टम (MVIS) और हॉट एक्सेल बॉक्स डिटेक्टर(HABD) के परफॉर्मेंस के मासिक आंकड़ों को देखकर महानिदेशक (संरक्षा) रेलवे बोर्ड ने संतोष जताया और इन सिस्टम को और भी बेहतर बनाने के सुझाव दिए। लोको पायलट/ट्रेन मैनेजर के साइन ऑन और साइन ऑफ सीएमएस (CMS) के बारे में महानिदेशक (संरक्षा) ने चालक दल ऐप्प के साथ-साथ बायोमेट्रिक प्रणाली के भी निर्देश दिए। इसके अलावा संरक्षण विभाग के प्रशासनिक तंत्र को और मजबूत करने और संरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए आवश्यक निर्देशों के बारे में चर्चा की। महानिदेशक (संरक्षा) द्वारा दिए गए निर्देश और सुझाव आने वाले दिनों में डीएफसीसीआईएल में सुरक्षित परिचालक के पथपरदर्शक एवं मार्गदर्शक होंगे । इस अवसर पर चीफ जनरल मैनेजर ईस्ट ओम प्रकाश, जीएम/समन्वयन/प्रयागराज (पश्चिम) देवेंद्र सिंह चीफ जनरल मैनेजर (एसएंडटी) ए. बी. शरण, सीजीएम (एसएंडटी) वेस्ट प्रफुल्ल पांडे और एडिशनल जनरल मैनेजर ऑपरेशन प्रयागराज मन्नू प्रकाश दुबे आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

## सम्पादकीय

# रेलवे ट्रैक पर स्टंट्स, जीवन का " डी–एन्ड "

रेलवे ट्रैक पर खतरनाक स्टंट्स करके सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बनना आजकल कुछ ज़्यादा ही आम बात हो चुकी है। रेलवे ट्रैक पर खतरनाक स्टंट्स, नाच, फोटोशूट करने की कुछ तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। युवाओं के बीच इसका प्रचार हो रहा है कि इससे उन्हें सोशल मीडिया पर लोकप्रियता मिलेगी। इस प्रवृत्ति के पीछे का कारण यह है कि लोग चाहते हैं कि उनकी वीडियोज और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हों, और उन्हें लाखों फ लोअर्स मिलें। लेकिन इसके लिए वे अपनी सुरक्षा को भूल जाते हैं लेकिन यह जोखिम भरा काम न केवल उनके जीवन को खतरे में डालता है, बल्कि यह देखने वालों पर बुरा प्रभाव डाल सकता है और युवाओं को उकसा सकता है।

बच्चों के माता- पिता, अध्यापकों आदि को इस बारे में बच्चो से खुलकर बात करनी चाहिए एवं उन्हें समझाना चाहिए ऐसा करना कितना हानिकारक हो सकता है। सोशल मीडिया पर फेम प्राप्त करने के लिए अपने जीवन को खतरे में डालना बेवकूफी हो सकती है। जीवन को महत्व देना चाहिए और सोशल मीडिया पर चमकने के लिए जोखिम नहीं उठाना चाहिए।

अखिरकार, जीवन एक अनमोल उपहार है सोशल मीडिया पर फेम प्राप्त करने के चक्कर में जीवन को खतरे में न डालें।

**सावधान रहें, समझदार बनें, स्वस्थ रहें**

# संस्कृति मंत्रालय कला और कलाकार बिरादरी को बढ़ावा देने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करने हेतु लाल किले में भारत कला, वास्तुकला और डिजाइन बीएनेल का आयोजन करेगा

सूत्र/पत्र सूचना कार्यालयः संस्कृति मंत्रालय लाल किले पर भारत कला, वास्तुकला और डिजाइन बीएनेल २०२३ का आयोजन कर रहा है, जिसका उद्घाटन ८ दिसंबर २०२३ को किया जाएगा। उद्घाटन और वीआईपी पूर्वावलोकन के बाद, ६ दिसंबर से १५ दिसंबर तक पैनल चर्चा, कार्यशालाएं और कला बाजार के साथ प्रदर्शनियां आयोजित की जाएंगी और यह जनता के लिए खुली रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय कलाकारों, वास्तुकारों और डिजाइनरों के मुख्य भाषण, सार्वजनिक कला प्रतिष्ठान, कला बाजार और सांस्कृतिक कार्यक्रम बीएनेल के प्रमुख आकर्षण हैं। बीएनेल के अंतर्गत लगने वाले मंडप ३१ मार्च २०२४ तक प्रदर्शित रहेंगे। इंटरनेशनल म्यूजियम एक्सपो और फेस्टीवल अ फ लाइब्रेरीज जैसे पिछले कार्यक्रमों की सफलता के आधार पर, बीएनेल एक प्रमुख वैश्विक सांस्कृतिक कार्यक्रम सृजित करने का इच्छुक है, जिसकी तुलना वेनिस, साओ पाउलो और दुबई के कार्यक्रमों से हो सके। लाल किला सहित भारत में पांच सांस्कृतिक स्थान स्थापित करने के प्रधानमंत्री के निर्देश से प्रेरित, आईएएडीबी'२३ भारत की वैविध्यपूर्ण कला, वास्तुकला और डिजाइन को उजागर करने की एक अभिनव पहल है। संस्कृति और विदेश राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने राष्ट्रीय संग्रहालय में कर्टन रेजर संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बीएनेल पारंपरिक कारीगरों, समकालीन डिजाइनरों, क्यूरेटर और विचारकों सहित विविध रेंज का प्रदर्शन करता है। श्रीमती लेखी ने कहा कि बीएनेल प्राचीन, आधुनिक, समकालीन और तकनीक-संचालित कला, वास्तुकला और डिजाइन तक फैली हमारे देश की कलात्मक विरासत के समृद्ध चित्रपट का जश्न मनाने की अभिनव पहल है। इंडिया आर्ट,आर्किटेक्चर एंड डिजाइन बीएनेल एक अनोखा आयोजन होने जा रहा है जिसका उद्देश्य स्थापित और उभरते दोनों कलाकारों के लिए एक मंच प्रदान करके कलाकारों और डिजाइनरों के समुदाय को संगठित करना है। इसका लक्ष्य कला, वास्तुकला और डिजाइन के व्यवसायियों के बीच संवाद को बढ़ावा देकर सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों को ऊर्जा प्रदान करना है।

# डीएफसीसीसीएल के डेलिगेट्स ने ऑस्ट्रेलिया के तीन शहरों में मेलबर्न, ब्रिस्बेन और सिडनी सिटी में रेलवे के विभिन्न कंपनियों और यूनिवर्सिटी में नॉलेज एक्सचेंज प्रोग्राम में लिया भाग

साभारः ऑस्ट्रेलिया के तीन शहरों में मेलबर्न, ब्रिस्बेन और सिडनी सिटी में दिनांक ६ नवंबर से १६ नवंबर तक डीएफ सीसीसीएल के १० डेलिगेट्स ने रेलवे के विभिन्न कंपनियां और यूनिवर्सिटी में नॉलेज एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिए। साथ ही सिडनी में तीन दिवसीय ऑसरेल के एशिया पैसिफिक कांफ्रेंस में भाग लिया। जिसमे नई तकनीक और नवाचारों के विषय में चर्चा हुई और डीएफसीसी में भविष्य में उपयोग किए जाने वाली तकनीकों के जांच पड़ताल की गई।

डेलीगेट ने भविष्य के ऑटोमेटेड तकनीक का अध्यन किया। इस नॉलेज एक्सचेंज प्रोग्राम में मनु प्रकाश दुबे अपर महाप्रबंधक परिचालन प्रयागराज सहित ओम प्रकाश, सीजीएम / प्रयागराज ईस्ट, अनुराग यादव, महाप्रबंधक इन्फ्रा/ ईडीएफसी, शैतान राम सांगवा, महाप्रबंधक/ को-ऑर्ड, अजमेर, अरुण तिवारी, महाप्रबंधक/ टेक/ सीओ, अमित सौराष्ट्री, महाप्रबंधक/ सीसी, विनय कुमार नामा, डिप्टी सीवीओ/को ने भाग लिया। यह कार्यक्रम ऑस्ट्रेलियाई सरकार के ऑस्ट्रेलिया इंडिया बिजनेस एक्सचेंज (एआईबीएक्स) कार्यक्रम का हिस्सा था जिसका उद्देश्य व्यावसायिक साझेदारियाँ और परिणाम में वृद्धि था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारी ढुलाई सहित रेल क्षेत्र में ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञता, अनुभव और रुझानों को प्रदर्शित करना था। यह डी-एफसीसीआईएल प्रतिनिधियों के लिए ऑस्ट्रेलिया की रेल क्षमताओं के बारे में जानने का एक उत्कृष्ट अवसर था जो भारी ढुलाई, मेट्रो, हल्की रेल और हाई-स्पीड रेल में फैली हुई है। ज्ञात हो कि ऑस्ट्रेलिया और भारत विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सहयोग के साथ एक मजबूत और बढ़ते द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंध साझा करते हैं। रेलवे दोनों देशों में व्यापार, यात्रा और आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारे देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता अधिक घनिष्ठ उद्योग सहयोग की संभावना प्रदान करता है।

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में एक बेहतरीन कदम साबित होंगें। प्रयागराज आगमन पर मनु प्रकाश दुबे अपर महाप्रबंधक परिचालनध्प्रयागराज का भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर श्रीकृष्ण शुक्ला वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, शशि भूषण वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, संजीव व्यास वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/गुड्स रतन झा मंडल परिचालन प्रबंधक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# RAILWAY PROTECTION FORCE (RPF) OF EASTERN RAILWAY BUSTS FAKE JOB APPOINTMENT RACKET

**Source/ER- In a significant breakthrough, the Railway Protection Force (RPF) stationed at Kolkata has successfully dismantled a nefarious scheme involving the issuance of fake Railway job appointments. The operation resulted in the apprehension of Raja Rai, a 52-year-old male residing in Barasat, West Bengal. The accused, masquerading as a Railway official, exploited the hopes of job seekers by promising them positions within the Railway system in exchange for substantial sums of money. The investigation uncovered that Rai had victimized multiple individuals, with Dipa Haldar being one of the affected jobseeker.**

**Dipa Haldar, wife of Subrata Halder, residing in Barasat, fell prey to Rai's deceit, paying a staggering Rs. 2,25,000 under the false promise of securing a legitimate Railway job. The victims only realized the gravity of the situation when attempting to report for duty at the Kolkata Railway station in the Commercial department, discovering that the appointment letters were fraudulent.**

**Rai was swiftly apprehended at Kolkata station and is currently undergoing rigorous interrogation by the Government Railway Police (GRP) to ascertain the full scope of his involvement in this illicit operation.**

''मनुष्य को ठंडा रहना चाहिए, क्रोध नहीं करना चाहिए। लोहा भले ही गर्म हो जाए, हथौड़े को तो ठंडा ही रहना चाहिए अन्यथा वह स्वयं अपना हत्था जला डालेगा। कोई भी राज्य प्रजा पर कितना ही गर्म क्यों न हो जाये, अंत में तो उसे ठंडा होना ही पड़ेगा।''

-सरदार वल्लभभाई पटेल

# विश्व स्वास्थ्य संगठन और आयुष मंत्रालय ने पारंपरिक तथा पूरक चिकित्सा 'परियोजना सहयोगात्मक समझौता' पर हस्ताक्षर किए

## अनुबंध का पहला चरण पारंपरिक और पूरक चिकित्सा देखभाल प्रणाली के वैश्विक विकास में महत्वपूर्ण साबित होगाः सचिव, आयुष

सूत्र/पत्र सुचना कार्यालयः आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कल देर रात जिनेवा में पारंपरिक और पूरक चिकित्सा 'परियोजना सहयोग समझौता' पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक और पूरक चिकित्सा प्रणालियों का मानकीकरण करना, उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा पहलुओं को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ना तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें प्रसारित करना है। इस सहयोग समझौते के माध्यम से पारंपरिक और पूरक चिकित्सा प्रणालियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, डब्ल्यूएचओ आयुष मंत्रालय के सहयोग से पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक रणनीति २०२५-३४ तैयार करेगा। समझौते के अन्य प्रमुख उद्देश्यों में पूरक चिकित्सा प्रणाली 'सिद्ध' के क्षेत्र में प्रशिक्षण और अभ्यास की प्रणाली को मजबूत करने के प्रयास, पारंपरिक और पूरक दवाओं की सूची के लिए दिशानिर्देश तैयार करना, सुरक्षा तथा इससे संबंधित प्रयास आदि शामिल हैं। आयुष मंत्रालय द्वारा डब्ल्यूएचओ के सहयोग से दक्षिण-पूर्व एशिया में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियों का एक अंतरराष्ट्रीय हर्बल औषधकोश विकसित किया जाएगा। इस समझौते के तहत साक्ष्य- आधारित पारंपरिक और पूरक दवाओं को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ने, जैव विविधता और औषधीय पौधों के संरक्षण और प्रबंधन आदि के प्रयास किए जाएंगे। केंद्रीय आयुष मंत्री श्री सर्बानंद सोनोनवाल ने इस अवसर पर मौजूद सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि भारत प्राचीन काल से ही कई पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों की संस्कृति का केंद्र रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए मंत्रलय के ऐसे वैश्विक प्रयास निश्चित रूप से भारत को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाएंगे और भारत में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देंगे। आयुष मंत्रलय का यह प्रयास भारत की वैश्विक सफलता की दिशा में उठाया गया एक और कदम है।

आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान अपने वर्चुअल संदेश में कहा कि इस समझौते का पहला चरण २०२३-२८ पारंपरिक और पूरक चिकित्सा प्रणाली के वैश्विक विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा। डब्ल्यूएचओ के यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज एंड लाइफ कोर्स डिवीजन के सहायक महा निदेशक ब्रूस आयलवर्ड के अनुसार, यह सहयोग समझौता पारंपरिक और पूरक चिकित्सा प्रणालियों को भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली की मुख्यधारा में लाएगा और वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल और तंदुरुस्ती के उद्देश्य को पूरा करेगा। भारत सरकार की ओर से इस समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि इंद्र मणि पांडे ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को मजबूत करने के लिए डब्ल्यूएचओ के साथ काम करने और विशेष रूप से साथी विकासशील देशों का उनके स्वयं के प्रचार में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है।

### पाठकों से

आपको यह अंक कैसा लगा? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते है। कृपया अपने सुझावों, आलोचनाओं से अवश्य ही अवगत करायें। आपके पत्रों का हमें इंतजार रहेगा।

प्रधान सम्पादक

# आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए 'अग्नि' पहल सीसीआरएएस, (आयुष मंत्रालय) की एक पहल है अग्नि – 'आयुर्वेद ज्ञान नैपुण्य पहल'

आयुष मंत्रालय
Ministry of AYUSH

सूत्र/पत्र सूचना कार्यालय - केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआर एएस), आयुष मंत्रालय ने वैज्ञानिक सत्यापन और साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन के माध्यम से आयुर्वेद से जुड़ी व्यावहारिक प्रथाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने नए प्रयास के तहत, आयुर्वेद के क्षेत्र में काम कर रहे चिकित्सकों के लिए ष्आयुर्वेद ज्ञान नैपुण्य पहल(एजीएन आई) शुरू की है। इच्छुक योग्य आयुर्वेद चिकित्सक सीसीआर ए एस वेबसाइट http://ccras.nic.in (http://ccras.nic. in/ sites/ default/files/ Notices/ CCR AS-AGNI-pdf पर उपलब्ध प्रारूप में १५ दिसंबर, २०२३ तक दिलचस्पी (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) भेज सकते हैं। इसकी ईमेल आईडी- ccrasagni[at]gmail[dot]com है।

सीसीआरएएस के महानिदेशक प्रोफेसर रबिनारायणन आचार्य ने अग्नि परियोजना के उद्देश्यों को इस प्रकार सूचीबद्ध कियाय आयुर्वेद चिकित्सकों के बीच साक्ष्य-आधारित अभ्यास की संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ रोग से संबंधित विभिन्न स्थितियों में अपनी नवीन प्रथाओं और अनुभवों के बारे में बताने के लिए आयुर्वेद चिकित्सकों को एक मंच प्रदान करना।

इस पहल का उद्देश्य वैज्ञानिक सत्यापन और साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन के माध्यम से व्यावहारिक प्रथाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए अनुसंधान करना भी है।

सीसीआरएएस एनसीआई एस एम के परामर्श से शिक्षा और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए सूचित की गई चिकित्सा पद्धतियों और चिकित्सीय आहारों का दस्तावेजीकरण और प्रकाशन करेगा। आयुर्वेद चिकित्सकों और अन्य प्रासंगिक संस्थानों/ संगठनों के सहयोग से अनुसंधान प्रस्तावों के विकास के द्वारा इन्हें मुख्यधारा में लाने और वैज्ञानिक सत्यापन के लिए सामने लाई गई चिकित्सा पद्धतियों पर सीसी आरएएस द्वारा आगे अनुसंधान अध्ययन किया जा सकता है।

इस समय लगभग ५,००,००० से अधिक पंजीकृत आयुर्वेद चिकित्सक मुख्य रूप से भारत में काम कर रहे हैं। आयुष मंत्रालय के तहत सीसीआरएएस एक शीर्ष अनुसंधान संगठन है जो आयुर्वेद में वैज्ञानिक आधार पर अनुसंधान कराने, उनके लिए समन्वय, सूत्रबद्ध करने, विकास और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

''शक्ति के अभाव में विश्वास व्यर्थ है। विश्वास और शक्ति, दोनों किसी महान काम को करने के लिए आवश्यक हैं।''

-सरदार वल्लभभाई पटेल

# रेल मंत्री ने की भारतीय रेलवे के संरक्षा पहलुओं की विस्तृत समीक्षा

साभारः रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव जी की अध्यक्षता में रेल मंत्रलय के बोर्ड सदस्यों, जोनल अधिकारियों, मंडल अधिकारियों और आरडीएसओ के साथ दिनांक २५.११.२०२३ को बैठक आयोजित हुई।

इस बैठक में विभिन्न संरक्षा पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सरंक्षा विषय पर चर्चा करते हुए रेलमंत्री ने भारतीय रेल में निरंतर बढ़ रही स्वचालित सिग्नलिंग, क्रू के लॉग आवर अर्थात लंबी कार्य अवधि से जुड़े पहलुओं, यार्ड आधुनिकीकरण एवं यार्ड इनफ्रास्ट्रक्चर, आपदा प्रबंधन टीम संबंधी विभिन्न संरक्षा विषयों पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होने अपने संबोधन में कहा कि संरक्षा के संबंध में किसी भी प्रकार से कोई कमी स्वीकार्य नही है। अश्विनी वैष्णव नें संरक्षा सावधानियों पर बल देते हुए सभी स्थापित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में बैठक के दौरान उन्होने सभी को पाक्षिक संरक्षा कार्ययोजना बनाने और उसकी नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिये। इस बैठक में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे सहित उत्तर मध्य रेलवे के सभी प्रधान विभागाध्यक्ष और मंडलों से मंडल रेल प्रबंधक और उनकी टीम जुड़े।

# महाप्रबंधक सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थित में मनाया गया बिरसा मुंडा जयंती एवं संविधान दिवस

रे.स.ब्यू./सूत्रः बिलासपुर -दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में भगवान बिरसा मुंडा जयंती, तृतीय जनजातीय गौरव दिवस-२०२३ एवं संविधान दिवस मनाया गया। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए देश भर में १५ नवंबर २०२३ को जन जातीय गौरव दिवस मनाया गया था। यह दिन बहादुर जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृतियों को भी समर्पित है, ताकि भावी पीढ़ियां स्वतंत्रता आंदोलन में उनके बलिदान के बारे में जान सकें। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर देश भर में जनजातीय अनुसंधान संस्थानों, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों, उत्कृष्टता केंद्रों, केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य जन जातीय कल्याण विभागों और अन्य भागीदार संगठनों ने कई कार्यक्रम आयोजित किए। दिनांक २६ नवम्बर, १९४९ को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकृत किया गया था जिसे २६ जनवरी, १९५० में लागू किया गया और इसी संविधान की बदौलत आज भारत पूरे विश्व में सबसे बडे लोकतंत्र के रूप में जाना जाता है। इसी कड़ी में आज मुख्यालय में महाप्रबंधक, आलोक कुमार के द्वारा बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई । इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के द्वारा स्वतंत्रता आन्दोलन में पराधीनता के विरुद्ध आहूत की गई, लड़ाइयो के बारे में भी सभी को जानकारी दी गई। एवं उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही साथ महाप्रबंधक ने सविधान दिवस की प्रस्तावना को पढ़ा जिसे सभी उपस्थित विभागाध्यक्ष सहित समस्त विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने संविधान दिवस की प्रस्तावना को आत्मसात किया। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय, बिलासपुर में महाप्रबंधक एवं सभी विभागाध्यक्ष सहित समस्त विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे। बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर मंडल में मंडल रेल प्रबन्धक एवं अन्य अधिकारी सहित सभी कर्मचारियो द्वारा प्रस्तावना का पाठ किया गया ।

# GENERAL MANAGER INSPECTS HOWRAH MAIDAN TO ESPLANADE STRETCH OF EAST-WEST METRO CORRIDOR

Source CPRO/Metro Railway/ Kolkata: East-West Metro project in between Howrah Maidan to Esplanade has reached its final stage. Metro authorities under the able leadership of Shri P Uday Kumar Reddy, General Manager have been constantly monitoring the progress of this project. Shri Reddy has also been inspecting the project sites to evaluate the exact status of work on regular basis. General Manager inspected Howrah Maidan to Esplanade stretch of East-West Metro Corridor (Green Line) on 17.11.2023. During this inspection, Shri V. K. Srivastava, Principal Chief Engineer, Metro Railway and Managing Director, KMRCL as well as other senior officials of Metro Railway and KMRCL accompanied him. Shri Reddy started inspection from Howrah Maidan Metro station in this morning. He travelled up to Esplanade Metro station under the river Hooghly in a Metro. On his way to Esplanade Shri Reddy stopped at each station and inspected Under Platform Supply Fan, Signalling Equipment Room, Telecom Equipment Room, Power Supply System, Tunnel Lighting System, AFC-PC Gates that are being installed, lifts, escalators, concourse level etc of these stations. While evaluating the progress of works of all the underground stations from Howrah Maidan to Esplanade on-the-spot, he also inspected ventilation and air conditioning system of these stations. Shri Reddy expressed his satisfaction after seeing the progress of works and advised all to complete all the pending jobs within the deadline.

# संविधान दिवस के अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय मे संविधान की प्रस्तावना का हुआ वाचन

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज संविधान दिवस के उपलक्ष्य में महाप्रबंधक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय, प्रयागराज में महाप्रबंधक सतीश कुमार के नेतृत्व में दिनांक २४.११.२०२३ को संविधान की प्रस्तावना का पाठ का वाचन किया गया किया गया। ज्ञात हो कि २६ नवंबर १९४९ को भारत की संविधान सभा द्वारा अंगीकार और २६ जनवरी १९५० से प्रभावी होने के साथ भारत का संविधान हमारे राष्ट्र का सर्वोच्च कानून बना था। यह दस्तावेज हमारी मूलभूत राजनीतिक व्यवस्था, संरचना, प्रक्रियाओं, शक्तियों और सरकारी संस्थानों के कर्तव्यों का सीमांकन करता है और साथ ही मौलिक अधिकारों, नीति निर्देशक सिद्धांतों और नागरिकों के कर्तव्यों को निर्धारित करता है। यह दुनिया में किसी भी देश का सबसे बड़ा लिखित संविधान है और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की रीढ़ है। संविधान भारत को एक संप्रभु समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करने के साथ ही, नागरिकों को न्याय, समानता और स्वतंत्रता के प्रति आश्वस्त करता है और राष्ट्र में भ्रातृत्वभाव को स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान का प्रस्तावना-पाठ कराया गया। संविधान दिवस प्रस्तावना-पाठ कार्यक्रम में अपर महाप्रबंधक चन्द्र प्रकाश गुप्ता, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी, अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी एवं मुख्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

## सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर.यू.सी.सी.सदस्य

उक्त पत्रिका आपको नियमित रूप से भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारों /सुझावों के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक- ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव
मो. 9793956044, 9935224867

# बरेका निर्मित १००००वें रेल इंजन राष्ट्र को समर्पित'

सूत्र/बेरकाः बनारस रेल इंजन कारखाना के न्यू लोको टेस्ट शॉप में दिनांक २८ नवम्बर, २०२३ को महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा ने पुष्पों से सुसज्जित बरेका निर्मित १०,०००वें लोको WAP7 का विधिवत पूजन के उपरान्त हरी झण्डी दिखाकर राष्ट्रों को समर्पित किया । साथ ही महाप्रबंधक ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बरेका अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह कीर्तिमान हमारे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मेहनत तथा कार्यकुशलता का परिणाम है। बनारस रेल इंजन कारखाना जिसे पहले डीजल रेल इंजन कारखाना के नाम से जाना जाता था, ने ALCO लोको तकनीक पर आधारित पहला लोकोमोटिव तैयार करके अपनी यात्रा शुरू कर न केवल रेल इंजनों के उत्पादन में कीर्तिमान स्थापित किया है, बल्कि रेल इंजनों की अश्व शक्ति में वृद्धि के साथ ही नयी-नयी तकनीक का भी विकास किया है । वर्ष २०१७ से बरेका ने विद्युत लोको का निर्माण शुरू किया । वर्तमान में बरेका रेलवे के लिए यात्री सेवा हेतु WAP7 और मालवाहक हेतु WAG9 इंजनों के निर्माण के साथ ही गैर रेलवे ग्राहकों एवं निर्यात के लिए रेल इंजन का उत्पाादन कर रहा है । अब तक बरेका १९८७ विद्युत लोकोमोटिव, ७४९८ डीजल लोकोमोटिव, १७२ निर्यातित लोकोमोटिव, गैर रेलवे ग्राहक हेतु ६३४ लोकोमोटिव, ०१ डुएल (डीजल्विद्युत) मोड लोकोमोटिव, ०८ डीजल से इलेक्ट्रिक में परिवर्तित लोकोमोटिव का निर्माण किया है। उल्लेखनीय है कि बरेका की नीव प्रथम राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद ने २३ अप्रैल १९५६ को रखी गयी थी । अगस्त १९६१ में बरेका अपने अस्तित्व में आया। ०३ जनवरी १९६४ में पहला ब्राड गेज WDM2 का लोकार्पण पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादूर शास्त्री ने एवं नवम्बर १९६८ में पहले मीटर गेज रेल इंजन YDM4 का लोकार्पण पूर्व प्रधानमंत्री श्री मोरारजी देसाई ने किया था। बरेका ने अपनी स्थापना से लेकर अब तक १०,००० रेल इंजन बनाकर एक इतिहास रचा है ।

# महानिदेशक संरक्षा (डी.जी सेफ्टी), बी. एम. अग्रवाल ने किया प्रयागराज - मिर्जापुर खण्ड का किया निरीक्षण

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज- महानिदेशक संरक्षा (डी.जी सेफ्टी) श्री बी. एम. अग्रवाल ने अपने प्रयागराज दौरे के दौरान प्रयागराज-मिर्जापुर खण्ड का निरीक्षण और उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में अपर महाप्रबंधक चन्द्र प्रकाश गुप्ता/उत्तर मध्य रेलवे एवं प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। दि २३.११.२३ का अपने दौरे के अंतर्गत महा-निदेशक संरक्षा (डी.जी सेफ्टी) बी.एम.अग्रवाल ने प्रयागराज - मिर्जापुर खण्ड निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रयागराज छिवकी में लॉबी का निरिक्षण किया एवं लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट से बात चीत की। इस दौरान लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट की चल रही काउंसलिंग क्लास में अग्रवाल ने सभी को संरक्षा के प्रति सदैव सचेत रहने संरक्षा के सभी नियमों का दृढ़ता से पालन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बढ़ते हुए क्रम में उन्होंने प्रयागराज छिवकी की ई.आई बिल्डिंग का भी निरिक्षण किया एवं कार्यरत कर्मियों के संचालन संबधी ज्ञान को भी परखा। निरीक्षण के बढ़ते हुए क्रम में महानिदेशक संरक्षा, ने प्रयागराज-मिर्जापुर खण्ड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी किया गया। ज्ञात हो कि विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण भारतीय रेलवे में एक विशेष निरीक्षण है,जिसमें चलती ट्रेन से एक निरीक्षण कार की पिछली खिड़की से ट्रैक और उसके आसपास के प्रतिष्ठानों जैसे सिग्नल,ओएचई, प्लेटफॉर्म आदि का निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान, मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों की सफाई और समग्र स्थिति, विशेष रूप से प्वाइंट और क्र सिंग पर ट्रेन की सवारी की गुणवत्ता, ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स (टीजीआई), ओएचई स्थिति, समपार फाटकों की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर आदि महानिदेशक संरक्षा द्वारा देखे गए।इसी क्रम में महानिदेशक संरक्षा (डी.जी सेफ्टी) ने मेजा रेलवे स्टेशन पर ई.आई बिल्डिंग का निरिक्षण किया।निरीक्षण के बढ़ते हुए क्रम में महानिदेशक संरक्षा मिर्जापुर स्टेशन का भी गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेशन मास्टर से कार्यप्रणाली की भी जानकारी ली। इसी क्रम में उन्होंने अमृत भारत स्टेशन के रूप में चयनित मिर्जापुर स्टेशन पर किए जाने वाले विकास कार्यो की भी विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कार्यवाहक प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक/परिचालन ए. के. राय , कार्यकारी निदेशक सिविल संरक्षा एस. एन. जोशी एवं मण्डल एवं मुख्यालय से अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। तत्पश्चात महानिदेशक संरक्षा (डी.जी सेफ्टी) ने उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, नरेन्द्र सिंह एवं अपर महाप्रबन्धक चन्द्र प्रकाश गुप्ता/उत्तर मध्य रेलवे एवं विभागाध्यक्षों के साथ आयोजित बैठक मे संरक्षा के ज्वलंत विषयों पर गहनता से विचार विमर्श किया एवं संरक्षा दिशा निर्देश दिये। ब्रज मोहन अग्रवाल, महानिदेशक,संरक्षा ने हाल में घटित रेल दुर्घटनाओं पर चिन्ता ब्यक्त करते हुए कार्य स्थल की सुरक्षा, मास्ट की सुरक्षा, रनिंग रूम में सुविधाओं के विस्तार, स्टेबल लोड प्रोटेक्शन, चालक दल द्वारा चलती गाड़ी में मोबाइल फोन का प्रयोग न करने पर बल दिया। इस अवसर पर संरक्षा विभाग/उत्तर मध्य रेलवे द्वारा संरक्षा पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया।

## हमारे ग्राहक

"हमारे पास आने वाला हर ग्राहक एक महत्वपूर्ण अभ्यागत है। वह हम पर निर्भर नहीं है, बल्कि हम उस पर निर्भर हैं। वह हमारे काम में बाधक नहीं, साधक है। वह हमारी कार्य-सीमा से विलग नहीं है, बल्कि उसका ही अंग है। हम उसकी सेवा करके सउस पर उपकार नहीं करते वरन् वह हमें सेवा का अवसर प्रदान कर हमें अनुग्रहीत करता है। ग्राहक से तर्क करना उचित नहीं है। उससे तर्क करके अभी तक किसी को सफलता नहीं मिली।" महात्मा गांधी

# SER'S MEDICAL DEPARTMENT ORGANISES 10TH ALL INDIA RAILWAY RADIOGRAPHERS ANNUAL CONFERENCE AND CONTINUING MEDICAL EDUCATION PROGRAMME

Source/SER- 10th All India Railway Radiographers Annual Conference and Continuing Medical Education programme (CME) organized by Indian Railway Radiographers Association and hosted by South Eastern Railway Central Hospital, has been inaugurated at BNR Auditorium, Garden Reach on 25-11-2023. This year, the theme of the conference is 'Keeping ahead of times in imaging'.

Dr. Sugandha Raha, Director General, Railway Health Services was the Chief Guest on the occasion and inaugurated the two-day conference. Dr. Anjana Malhotra, Principal Chief Medical Director, SER Central Hospital, senior doctors and officers were also present at the inaugural function.

This conference will help the Radiographers for sharing their working experience and also for acquiring best knowledge for service to the mankind and the railway patients. Radiographers from different Railway zones and divisions are attending the programme. The conference will discuss over the technical advancement of radiological imaging system and how to reduce the radiation hazards over the patient as well as over radiologists and radiographers.

''शक्ति के अभाव में विश्वास व्यर्थ है। विश्वास और शक्ति, दोनों किसी महान काम को करने के लिए आवश्यक हैं।''

-सरदार वल्लभभाई पटेल

# अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के रेल मंडप में बरेका द्वारा निर्यातित रेल इंजन मॉडल बना आकर्षर्ण का केंद्र।

सूत्र/बरेका- रेल मंत्रालय १४ से २७ नवंबर, २०२३ तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित ४२वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आई आईटीएफ) २०२३ में हिस्सा ले रहा है।

मंत्रालय ने रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी के मार्गदर्शन में 'बदलते भारत की अवसंरचना' की विषयवस्तु के साथ हॉल नंबर-५ में एक मंडप स्थापित किया है। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और सीईओ श्रीमती जया वर्मा सिन्हा जी ने इस रेलवे मंडप का उद्घाटन किया।

आईआईटीएफ २०२३ की विषयवस्तुः "वसुधैव कुटुंबकम-व्यापार के माध्यम से एकता" से प्रेरणा लेते हुए भारतीय रेलवे ने इस मंडप में अपनी यात्रा को प्रदर्शित किया है।

साथ ही यह बताया है कि कैसे भारतीय रेलवे ने विश्व के अन्य देशों में लोको, कोच और डेमू ट्रेनों का निर्यात करके वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। इसके अलावा मंडप में नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन को लेकर भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को भी दिखाया गया है। बनारस रेल इंजन कारखाना द्वारा निर्मित किए गए रेल इंजन, जिन्हें विभिन्न देशों, जैसे-तंजानिया, वियतनाम, बांग्लादेश, श्रीलंका, मलेशिया, सूडान, म्यांमार, अंगोला, सेनेगल, माली, मोजांबिक में निर्यात किया गया है, उन सभी रेल इंजन म डलों को एक विशेष बूथ पर आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है, जो आगंतुकों, विशेषकर बच्चों का अपनी ओर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है, कि बरेका ने अब तक १७२ रेल इंजनों का विभिन्न देशों में निर्यात किया है।

''मनुष्य को ठंडा रहना चाहिए, क्रोध नहीं करना चाहिए। लोहा भले ही गर्म हो जाए, हथौड़े को तो ठंडा ही रहना चाहिए अन्यथा वह स्वयं अपना हत्था जला डालेगा। कोई भी राज्य प्रजा पर कितना ही गर्म क्यों न हो जाये, अंत में तो उसे ठंडा होना ही पड़ेगा।''

-सरदार वल्लभभाई पटेल

# RailTel and ECIL signs MoU

Source- RailTel: RailTel Corporation of India Ltd (Rail Tel) A Miniratna PSU under Ministry of Railways, and Electronics Corporation of India Limited (ECIL), a PSU under Department of Atomic Energy, signed a Memorandum of Understanding (MOU) to establish a collaborative partnership in the fields of ICT, Homeland Security, Cloud service etc. The MoU was signed in the presence of Shri Sanjai Kumar, CMD, RailTel and Dr Anesh Kumar Sharma, Director (Technical), ECIL and senior official from RailTel and ECIL. The MoU lays down a framework to synergise the professional capabilities of RailTel and ECIL by leveraging mutual strengths and capabilities in the field of ICT, Cloud Services, Mission Critical Communication to efficiently serve technological needs of the country and to jointly collaborate in the field of strategic electronics in domestic and international projects.

This will help both the companies leveraging each party's expertise to deploy cutting edge solutions in India and internationally. RailTel Corporation of India Ltd. (RailTel), a "Mini Ratna CPSE, under Ministry of Railways, is an ICT provider with one of the largest telecom infrastructures in the country with strong capabilities in managing telecom infrastructure, MPLS network infrastructure, data centre services and digital services like cloud hosting, hosted Video Conferencing service, Aadhar Services, Content delivery platform etc. Electronics Corporation of India Limited (ECIL), a CPSE, under Department of Atomic Energy, Govt. of India, is a leading PSU in the field of strategic electronics, and engaged in providing cutting edge technology solutions in the field of Nuclear C&I, Defense, Aerospace, Homeland Security, IT & e-governance.

**यदि मनुष्य कुछ सीखना चाहे, तो उसकी हर भूल उसे कुछ शिक्षा दे सकती**
**महात्मा गांधी**

## कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर द्वारा लेखापरीक्षा जागरूकता सेमिनार का आयोजन

रे.स.ब्यू./सूत्रःबिलासपुर। नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा दिनांक २० नवंबर २०२३ से २४ नवंबर २०२३ तक लेखापरीक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया है।लेखापरीक्षा सप्ताह के दौरान लेखापरीक्षा अर्थात अकाउंट से संबन्धित विभिन क्रिया-कलापों का आयोजन किया जाएगा । इसी कड़ी में दिनांक २२.११.२३ को कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर द्वारा मुख्यालय स्थित सभागार में लेखापरीक्षा जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में जिसमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभागाध्यक्षों सहित मुख्यालय एवं बिलासपुर रेल मण्डल अधिकारीगण उपस्थित थे। सेमिनार की अध्यक्षता दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक विजय कुमार साहू के द्वारा किया गया । सेमिनार के दौरान सर्वप्रथम उपस्थित सभी अधिकारियों को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पदस्थ भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग के निदेशक मुकेश कुमार ब्रम्हने द्वारा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सी ए जी) के इतिहास एवं कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। सेमिनार में अपर महाप्रबंधक, प्रधान वित्त सलाहकार सहित अन्य अधिकारियों ने भी किसी भी केंद्रीय संगठन में लेखापरीखा की आवश्यकता एवं भूमिका पर अपने अपने विचार रखे ।

## ट्रेनों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए समर्पित टीम रेल सुरक्षा बल/उत्तर मध्य रेलवे ने इंदिरा मैराथन प्रयागराज में लगाई दौड़

रे.स.ब्यू./संवा.प्रयागराज महानिरीक्षक/रेलवे सुरक्षा बल/उत्तर मध्य रेलवे, अमिय नन्दन सिन्हा के दिशा निर्देशन में रेल सुरक्षा बल की एक २४ सदस्यीय टीम ने दिनांक १६.११.२०२३ को प्रयागराज में आयोजित ३८वीं इंदिरा गांधी मैराथन-२०२३ में प्रतिभाग किया। रेल सुरक्षा बल/उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मण्डलों से चयनित टीम में ०१ असिस्टेंट कमाण्डेन्ट, ०३ निरीक्षक, ०५ उपनिरीक्षक व १५ अन्य स्टाफ द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिनमें ०३ महिला बल सदस्यों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। इस दौड़ के पीछे का उद्देश्य रेलवे सुरक्षा बल/उत्तर मध्य रेलवे द्वारा भारतीय रेल में यात्रा करने वाली महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने व यात्रारत महिला के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करने की प्रतिबद्धतता को जन जागरूकता अभियान के माध्यम से प्रसारित करना था। रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा ट्रेनों में अकेली यात्रा करने वाली महिलाओं की सुरक्षा हेतु मेरी सहेली टीम का गठन किया गया है, जो अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं के पास जाकर उनकी समस्याओं को जानकर हर सम्भव सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा सभी रेल यात्रियों को रेलवे द्वारा एक हेल्पलाइन नम्बर १३६ भी उपलब्ध कराया गया है, यदि यात्रा के दौरान उन्हे किसी भी तरह की परेषानी आती है तो वे इस हेल्पलाइन नम्बर पर काल कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं, जिसपर रेलवे सुरक्षा बल द्वारा तुरंत कार्यवाही सुनिश्चित की जाती है। रेल सुरक्षा बल सदैव यात्रियों की सुरक्षा के लिए तत्पर है।

## GENERAL MANAGER REVIEWS PERFORMANCE OF NORTHERN RAILWAY

Source- NR: Sh. Shobhan Chaudhuri, General Manager, Northern Railway, held a performance review meeting with the departmental heads of Northern Railway & DRMs. The GM emphasized that Safety is the main concern over Railways, for which all out efforts should be directed towards maintaining the tracks, rolling stock, signaling and electric overhead wires are working in top order.

He and other officials, before the start of proceedings of meeting, had undertaken the pledge by reading the preamble of the Constitution of India in observance of the Constitution day. Every year, 26th November is observed as Constitution Day. He reviewed the work done over the zone in improving the maintenance standard of tracks, proper functioning of signal system and other safety arrangements during upcoming fog season and instructed officials for speedy removal of scrap lying near the tracks and increase of cold weather patrolling of railway tracks, visual examination of rail ends fish bolt holes, and identify rail fracture prone locations and take necessary preventive measures to keep watch on any untoward incidents. He added that the initiatives and concessions offered by the Railways should reach the customers and also informed that, loading of food grains & other items have steadily increased with every passing month.

**पाठकों से अनुरोध**

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।
सहयोग राशिः
१.उच्चतम अधिकारी- ५००० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- ३५०० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-२५०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-१०००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव/
अनिल केन
रेल समाचार ब्यूरो कैंप
कार्यालय-८४३६ आर्य नगर
पहाड़गंज दिल्ली-५५

**समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा**

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. 329/255, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-211003 से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.51097-90 पोस्ट ए.डी-8
मो. 9793956044,9935224867
फोन नं.-0532-2418040